हिंदी भाषा में संचार क्षेत्र की भूमिका

डॉ. सी. मोहना
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
श्री शारदा महिला महाविद्यालय (स्वायत्तशासी) सेलम तमिलनाडु

सार

वैश्वीकरण, इस युग में हिंदी भारत और एशिया के आसपास की राष्ट्रीय और आधिकारिक भाषा है, जो अधिकतर लोगों द्वारा बोली जाती है और दुनिया भर के कई लोगों द्वारा समझा गया है, इसे वैश्विक भाषा बनाकर एक जगह बनाने के लिए एक लंबा सफर तय किया है। आज हिंदी ने प्रौद्योगिकी, वाणिज्य, वेब मीडिया आदि के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है। वेब मीडिया, प्रिंट और सोशल मीडिया दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद लोगों से संवाद करने का एक प्रमुख माध्यम है। उपयोग वेब मीडिया में हिंदी पिछले कुछ वर्षों में बहुत लोकप्रिय हो गई है। के सभी क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है सोशल मीडिया फेसबुक से लेकर ट्विटर तक। यूनिकोड की शुरूआत ने इसे पढ़ना आसान बना दिया है और हिंदी को उसके सही देवनागरी रूप में लिखें, जिससे सोशल मीडिया और वेब में हिंदी का प्रचार बढ़ा है मीडिया जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, ई-कॉमर्स, वेब और डिजिटल मीडिया में अधिक सामग्री के साथ दुनिया में हिंदी का महत्व भी बढ़ रहा है। अनुवाद भी हिंदी और अन्य के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है डिजिटल माध्यम भी। आज नई प्रौद्योगिकियों के आगमन के साथ, उपकरण और सॉफ्टवेयर ने मांग को आसान बना दिया है हिंदी भाषा के उपयोग के लिए। इस पेपर का उद्देश्य यह देखना है कि हिंदी ने इन तरीकों के माध्यम से कैसे अपनी छाप छोड़ी है वैश्विक परिदृश्य।

परिचय

हिंदी एक इंडो-आर्यन भाषा है। यह भारत में मुख्य भाषा है। भारत में लगभग 800 मिलियन लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी लिखने के लिए देवनागरी लिपि का उपयोग किया जाता है। पहले हिंदी को हिंदुई के नाम से जाना जाता था। नई तकनीक लगातार विकसित हो रही है। एक देश दूसरे देश के साथ तकनीक का आदान-प्रदान कर रहा है। ऐसी स्थिति में, उस तकनीक को समझना आवश्यक है जो उस भाषा में है जिसे देश के अधिकांश लोग बोलते और समझते हैं। हम बहुत सी चीजें देखते हैं जो पहले अंग्रेजी में हुआ करती थीं और अब हिंदी उनमें शामिल है। हिंदी को देवांगरी लिपि में लिखा जाता है इसलिए मंगल भी एक देवांगरी लिपि फॉन्ट है। मंगल फॉन्ट को सभी डिवाइस और प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित किया जा सकता है। कई अन्य यूनिकोड फोंट हैं जो लोकप्रिय भी हैं - लोहित, देवांगरी, उत्सव, अपराजिता, आदि। हिंदी को शामिल करना एक मजबूरी नहीं बल्कि आवश्यकता है। भारत की अधिक से अधिक आबादी हिंदी को अच्छी तरह से समझती और बोलती है, उनके लिए अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में संवाद करना बहुत आसान है। यह संगोष्ठी हिंदी सॉफ्टवेयर और ई उपकरण और वेब पेज के साथ हिंदी के छात्रों के लिए काम करती है

हिन्दी को देवनागरी नाम की एक लिपि में लिखा गया है मंदारिन और अंग्रेजी के बाद दुनिया में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार के इंडो-आर्यन समूह का सदस्य है। आजादी के 60 साल बाद भी ए मानसिक ब्लॉक, नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान और कंप्यूटर आधारित ज्ञान हमारे यहां हिंदी में उपलब्ध नहीं है देश। दूसरी ओर यह भी सच है कि द कंप्यूटर आधारित इंटरनेट हिंदी में भी उपलब्ध है। टेक दिग्गज के अनुसार, हिंदी, Google के सहायक के रूप में दुनिया भर में दूसरी सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली भाषा के रूप में उभरी है। भारतीय लोग प्रमुख क्षेत्रीय भाषा बोलते हैं और संवाद करते हैं, लेकिन 1980 के युग में सूचना प्रौद्योगिकी में क्षेत्रीय भाषा का उपयोग नहीं करते थेए लेकिन हाल ही में बहुत सारे सॉफ्टवेयर और प्रोग्राम लॉन्च किए गए थे और इसलिए भारतीय लोग व्यवसायए शिक्षाए राजनीति को आसान बना रहे हैं

ISBN: 978-81-954645-0-0

कंप्यूटर का इतिहास हिंदी भाषा में उपयोग करता है

इंटरनेट हमारे समाज की एक बड़ी जरूरत बन गया है। समय के साथ, हिंदी ने भी धीरे-धीरे कंप्यूटर के क्षेत्र में अपनी जगह बनाने की कोशिश की। इसका पहला प्रयास किया गया था 1983 में, विभिन्न संगठन द्वारा, डॉस आधारित हिंदी शब्द प्रोसेसर अक्षर के आवेदन के बीच, प्रमुख वे सिद्धार्थ (1983 में DCM), हिंडिट्रोनिक्स आदि हैं। यूनिकोड की उत्पत्ति 80 के दशक की है। वर्ष 1991 में, यूनिकोड प्रकाशित हुआ और 1995 में, हिंदी को इंटरनेट पर जारी किया गया। लेकिन वर्ष 2000 में, के पद के साथ यूनिकोड हिंदी, इंटरनेट पर हिंदी क्रांति की शुरुआत हुई। 2003 में, Google समाचार सेवा और हिंदी का शुभारंभ विकिपीडिया, जिसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन हिंदी टूल शामिल हैं, और 2007 में, Google अनुवाद और Google का डिक्शनरी-आधारित ऑनलाइन ध्वन्यात्मक टाइपिंग टूल जारी किया गया था। 2008 में, Google से अनुवाद सुविधाएं हिंदी और अन्य प्रमुख विदेशी भाषाओं में अनुवाद शुरू हुआ और उपलब्ध था। 2011 में Google Books थे हिंदी में उपलब्ध है और उसी वर्ष अप्रैल में, वैज्ञानिक शब्दावली ऑनलाइन और 14 पर उपलब्ध कराई गई थी सितंबर 2011, ट्विटर ने हिंदी फोंट का उपयोग शुरू किया। वर्ल्ड वाइड वेब का एक अपरिहार्य स्रोत बन गया है इंटरनेट पर आज जानकारी। नेट पर अधिकांश एप्लिकेशन इसी पर काम करते हैं। अंग्रेजी भाषा मानी जाती है आज भी इंटरनेट के एकाधिकार के रूप में। भारत में, अंग्रेजी को इंटरनेट की भाषा माना जाता है, लेकिन समय के बदलाव के साथ, इंटरनेट और 90 के दशक के आखिरी दशकों में, हिंदी वेब साइटों पर चीजें बदल गई हैं दिखाई देने लगा। सी-डैक (पुणे), एसीएसटी (मुंबई) और भारतीय सूचना संस्थान (हैदराबाद) हैं इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ऑनलाइन लर्निंग सॉफ्टवेयर्स

छात्रों को व्याकरण, शब्द उपयोग, के लिए पाठ्य सामग्री से संबंधित उपयोगी जानकारी और अभ्यास मिलता है। निबंध आदि; हिंदी के माध्यम से, साथ ही, हिंदी लेखन और सीखने का एक मंच बन गया है। कुछ प्रमुख स्थल are & Speakhindi.com, hindilanguage.com, Learninghindi.com, fluent in 3 months.com आदि आज विदेशी हैं और गैर-हिंदी भाषी लोग इन साइटों के माध्यम से आसानी से हिंदी पढ़ सकते हैं। भारतीय भाषाओं के लिए एक उपयोगी सॉफ्टवेयर पैकेज विकसित करने की दृष्टि से, C&DAC पुणे ने दो डिजाइन किए हैं हिंदी सीखने के लिए मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर पैकेज - लीला हिंदी स्वयंवर शिक्षक (विदेशियों के लिए) और लीला हिंदी प्रबोध सॉफ्टवेयर (सरकारी कर्मचारियों के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित) सॉफ्टवेयर पैकेज। ऑनलाइन परीक्षा मोड भी है हिंदी प्रबोध, प्रवीण और प्रज्ञा पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण का मूल्यांकन करने के लिए विकसित किया जा रहा है। 2009 में, अली तकी, अपने अमेरिकी दोस्त के साथ, श्जबानश् की स्थापना की, जिसने 2011 में स्काइप पर 490 पाठ वितरित किए अधिकांश यातायात अमेरिकी का है। आज विदेशी और गैर-हिंदी भाषी लोग आसानी से हिंदी पढ़ सकते हैं इन साइटों के माध्यम से। इसलिए, इंटरनेट ने हिंदी भाषा को बहुआयामी रूप देना शुरू कर दिया है। ई-लर्निंग इस संदर्भ में विशेष महत्व है।

सॉफ्टवेयर्स और ऑनलाइन टाइपिंग टूल

हिन्दी वेबसाइट ने हिन्दी भाषा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूनिकोड का आगमन है हिंदी के लिए वरदान साबित हो रहा है। हिंदी भाषा में वेबपेज के लिए एक 'प्लग-इन' पैकेज तैयार किया गया है, ताकि कोई भी व्यक्ति, संगठन अपना वेबपेज हिंदी में प्रकाशित कर सकते हैं। कृतिदेव, श्रीलिपि आदि फोंट में परिवर्तित हो रहे हैं यूनिकोड और हिन्दी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यूनिकोड पर आधारित मंगल फॉन्ट रहा है Microsoft द्वारा विकसित। India Typing-com जैसी साइटें हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को लिखने में मदद करती हैं अंग्रेजी कीबोर्ड। इसमें कई विकल्प हैं जहां आप टाइपिंग, ऑनलाइन फॉन्ट कन्वर्टर आदि सीख सकते हैं सूचना प्रौद्योगिकी में विकास, हिंदी भाषा से संबंधित आवश्यक सॉफ्टवेयर वेब मीडिया पर उपलब्ध है आज। हिंदी स्पेलिंग चेकर, फॉन्ट चेंजर, स्क्रिप्ट चेंजर, ट्रांसलेशन, उच्चारण टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर टू किसी भारतीय या विदेशी भाषा से हिंदी में पाठ को रूपांतरित करना, हिंदी-अंग्रेजी, अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश, हिंदी ई किताबें, ई-मेल इंटरनेट पर उपलब्ध कई सुविधाएं हैं इंटरनेट पर हिंदी के प्रसार के लिए 'हिंदी गाथा' नाम का हिंदी टूलबार लॉन्च किया गया।

ई-कॉमर्स में हिंदी की भूमिका

आज, Microsoft, Yahoo, Rediff आदि विदेशी कंपनियाँ अपनी वेबसाइट, ई-कॉमर्स का विकास कर रही हैं सूचना प्रौद्योगिकी, ई-गवर्नेंस क्षेत्र में हिंदी। भारत तेजी से बढ़ रहा है और हिंदी का महत्व भी। हिंदी का महत्व और उपयोग अपरिहार्य है। इसलिए बिक्री विस्तार पर नजर रखने वाली कंपनियों ने उत्सुकता दिखाई है हिंदी को कलात्मक बनाने में रुचि। ऑनलाइन ट्रेडिंग और शॉपिंग साइट जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजॅन, सिफी, आदि; बनाया है भारतीय जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए हिंदी में मंच। Adsense 'जैसी हिंदी वेबसाइट में हिंदी भाषा है समर्थन जो विज्ञापनदाताओं को उपभोक्ताओं से जुड़ने में मदद करता है। Google विज्ञापन; हिंदी विज्ञापनों का भी समर्थन करता है; में Google प्रदर्शन नेटवर्क विज्ञापनदाताओं को पाठ, वीडियो-डिस्प्ले और का उपयोग करके हिंदी के माध्यम से अभियान बनाने में मदद करता है विज्ञापन प्रारूपों में चित्र।

ऑनलाइन अनुवाद और लिप्यंतरण उपकरण

पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन अनुवादों में तेजी देखी गई है। फ्रीलांस अनुवाद में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है आज का दिन। अनुवादक के पास रुचि, विशेषज्ञता और एजेंसियों के क्षेत्र को चुनने के लिए कई विकल्प हैं। अब क एक घंटे में www-proz-com, www-translatorcafe-com, www-lyrical-com, Lionbridge-com जैसी कई साइटें हैं अनुवाद सेवा, भाषाभारती अनुवाद सेवा आदि; वर्तमान में, IIT मुंबई, IIT कानपुर, IIT हैदराबाद, हैदराबाद विश्वविद्यालय, सी-डैक, पुणे और ऐसे कई शोध संस्थान तेजी से विकास करने वाली मशीन हैं हिंदी के लिए अनुवाद प्रणाली। हैदराबाद विश्वविद्यालय और आईआईटी कानपुर ने 'अनुवाड' सॉफ्टवेयर विकसित किया है हिंदी और दक्षिण भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद के लिए। वर्तमान में इंटरनेट पर विभिन्न भाषा उपकरण मौजूद हैं जो हिंदी के लिप्यंतरण को सरल बनाते हैं, कुछ इन नामों में Google इंडिक ट्रांसलेटर Ind लिपिक रेमिंगटन am हिंदी कालम are UNI ,Script , लिपिकमयम har प्रखर Ind देवनागरी लिपिक आदि। ऐसे उपकरण हैं जिनमें ऑनलाइन हिंदी या अन्य में अनुवाद करने की सुविधा और सॉफ्टवेयर है हिंदी से भाषा वर्तमान युग में, इंटरनेट पर विभिन्न भाषा उपकरण मौजूद हैं जो सरल बनाते हैं हिन्दी का लिप्यंतरण।

सोशल मीडिया और हिंदी की भूमिका

सोशल मीडिया साइट्स पर भी हिंदी की मौजूदगी बढ़ रही है। फेसबुक प्रचार करने का एक लोकप्रिय माध्यम है ब्लॉग। फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स एप, इंस्टाग्राम हिंदी में इस्तेमाल किया जा रहा है। हिंदी की बढ़ती मांग के साथ सोशल मीडिया, डेवलपर्स ने समाधान तैयार किए हैं जिसमें उपयोगकर्ता को पात्रों के उपयोग के लिए अधिक से अधिक आसानी होती है बेहतर संकेत की बोर्ड। हिंदी और उससे जुड़ी भाषाओं, सोशल मीडिया पर हिंदी का उपयोग करने का वातावरण बढ़ रहा है। 2014 में, Sify (कंपनी ने पहले हिंदी आधारित एंड्रॉइड स्मार्टफोन लॉन्च करने के लिए) भारत के लोगों को ध्यान में रखते हुए, एक बनाया पूरी तरह से हिंदी की बोर्ड और वॉयस इनपुट पर आधारित अद्वितीय एप्लिकेशन। इस मोबाइल में एप्लिकेशन भी हैं हिंदी और इसमें सोनी लाइव, गूगल ट्रांसलेट जैसी विशेषताएं हैं जो अनपढ़ लोगों के लिए मददगार साबित हुई हैं। वर्तमान युग विपणन और वैश्वीकरण का युग है जहां कंप्यूटर को लैपटॉप, पामटॉप्स द्वारा बदल दिया गया है और स्मार्ट फोन।

हिंदी ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग करता है

वेब डुनिया पहले आता है, जिसने पहला हिंदी समाचार पोर्टल शुरू किया। 1993 में, विनय छजलानी श्सुवी सूचना प्रणाली नामक एक कंपनी की स्थापना की, जो 1998 में वेब डुनिया के नाम से प्रसिद्ध हुई। दिल्ली पत्रकार हरिशंकर व्यास ने हिंदी पोर्टल 'नेत्रजाल' शुरू किया। इसके अलावा प्रमुख पोर्टल जैसे 'reddif-com' 'सत्यम ऑनलाइन डॉट कॉम' ने हिंदी में पृष्ठ भी पेश किए। आजकल, कई हिंदी पोर्टल या साइटें उपलब्ध हैं जो ज्ञान की नई दिशाएँ खोल रहे हैं और कुछ प्रमुख पोर्टल हैं: - वेब डुनिया .com: साहित्य के लिए। Hindikhoj.com: शब्दकोश और अन्य सभी उपलब्ध हिंदी साइट, Sadmarg-org: सभी हिंदी साइटों के लिए एक लिंक, हिंदी मुख पृष्ठ.com: हिंदी समाचार, शिक्षा और सेवाओं के बारे में सभी संदर्भों की जानकारी, india-gov-in: राष्ट्रीय सरकार से संबंधित सभी सूचनाओं आदि के लिए पोर्टल 'litrateworld-com', वेब पेज भी आसानी से मिल जाते हैं और Google जैसे वेब पेज बनाने के लिए कई मुफ्त टूल भी उपलब्ध हैं पेज, अंकित जैन का शब्द संपादक जो ऑनलाइन हिंदी लिखने के लिए सुलभ तरीके प्रदान करता है। इसके

अलावा, वहाँ हैं इंटरनेट पर हिंदी संसाधनों के उदाहरण जैसे, Hindi हिंदी की बिंदी, हिंदी टूलबार पिटारा, हिंदी अभिवादन आदि।

ई-पत्रकारिता हिंदी भाषा में

आज देश में मीडिया अपने पारंपरिक रूप से हटकर तकनीक के साथ तालमेल बिठा रहा है। यह पत्रकारिता का अत्याधुनिक क्रांतिकारी परिवर्तन ई-पत्रकारिता (वेब पत्रकारिता) है। आज, एक बटन दबाकर, दुनिया के सभी समाचार पत्र हमारी स्क्रीन के सामने आते हैं। आज, ई-समाचारपत्र जैसे नैय्या दूनिया, नवभारत टाइम्स, हिंदुस्तान, जागरण, पंजाब केसरी, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर, अमर उजाला आदि इसके प्रमुख उदाहरण हैं। ई-संस्करणों की तरह, हिंदी साहित्य को समर्पित कई पत्रिकाएँ हैं अपनी ई-पत्रिकाएँ प्रकाशित करना शुरू किया। हिंदी नेस्ट, सृजन गाथा, अभिनय, अनुभूति, शब्दंजलि, साहित्य कुंज, हंस, वागर्थ जैसी साहित्यिक पत्रिकाओं के साथ छैया, गढ़भानल, भारत दर्शन, वेब डुनिया, कल्याण, आदि। तद्भव, नया ज्ञानोदय, मधुमती आदि हिंदी वेब पत्रकारिता का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। न केवल प्रिंट मीडिया बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हिंदी को वैश्विक परिदृश्य में प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डिस्कवरी चौनल, नेशनल ज्योग्राफिक चौनल, स्टार न्यूज, ईएसपीएन, स्टार स्पोर्ट्स, वॉयस ऑफ अमेरिका, RUVR of रूस, ईरान के आईबी, दुबई में एफएम स्टेशन, रेडियो मॉरीशस, विदेश में एफएम और अन्य चौनलों की हिंदी सेवा, जर्मनी का डच वेले, जापान का एनएचके वर्ल्ड और चाइना रेडियो अपने हिंदी प्रसारण के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। और प्रसारण ने हिंदी को विश्व स्तर पर एक मंच बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। बीबीसी ने काम किया है विश्व स्तर पर हिंदी को बढ़ावा देना। अब तक, एमएसएन, याहू, सिफी और अन्य उपग्रह चैनलों जैसे नेट चैनलों के पास है वैश्विक कैनवास में हिंदी के प्रचार में मदद की। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का ओलंपिक चौनल ने हिंदी में अपना प्रसारण शुरू किया है। खेलों से संबंधित समाचार, कहानियां, जानकारी भी हिंदी में उपलब्ध हैं।

निष्कर्ष

हिन्दी के प्रचार-प्रसार में संचार क्षेत्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर एक भाषा के रूप में उभर रही है। आज न केवल भारत बल्कि पूरा विश्व वैश्विक परिदृश्य और प्रभाव से परिचित हो रहा है । हिंदी को विश्व में एक प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता दी जा रही है। आज 21वीं सदी में हम दुनिया के तमाम देशों को एक-दूसरे से जुड़ते और महसूस करते हुए देख रहे हैं वैश्विक का सपना, जहां इंटरनेट एक मील का पत्थर स्थापित कर रहा है और एक अनंत खजाना बन रहा है ज्ञान। वास्तव में, इंटरनेट भारत और तीसरी दुनिया के देशों के लिए एक वरदान साबित हुआ है। हम कह सकते हैं कि सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में, हिंदी ने एक वैश्विक बनने के लिए हासिल किया है।

ISBN: 978-81-954645-0-0